

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 517]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 20, 1981/कार्तिक 29, 1903

No. 517] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 20, 1981/KARTIKA 29, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1981

का.आ. 820(अ) /18-चल/आई डी आर ए/81 :—केंद्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 902 (अ)/18-चल/आई डी आर ए/90 तारीख 21 नवम्बर, 1980 [जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है, (द्वारा उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चल की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचादों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो जनवरी, 1981 के पश्चात् किए गए हैं, हुए हैं या प्रवृत्त होते हैं) जिसका आंध्र प्रदेश राज्य में श्रीकाकुलम जिला के सीप्यानगरम में

घोनी का विनिर्माण कर रहा मैसर्स श्रीराम शुगर मिल्स लिमिटेड का एकक या ऐसे एकक का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी, एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक एकक या कम्पनी को लागू हो, प्रवृत्ति एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त आदेश के जारी किए जाने से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार और विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे।

और केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 5 जनवरी, 1982 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी जाएगी।

अतः, केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चल की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 5 जनवरी, 1982 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ाती है।

[फा. सं. 4(11)/78-सी. यू. एस.]

चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY****(Department of Industrial Development)****ORDER**

New Delhi, the 20th November, 1981

**S.O. 820(E)/18FB/IDRA/81.**—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 902(E)/18FB/IDRA/80 dated the 21st November, 1980 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 6th January, 1979) to which the unit of Messrs Sri Rama

Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Seethanagaram in the District of Srikakulam in the State of Andhra Pradesh or the company owning the said unit is a party on which may be applicable to the said industrial unit or company shall remain suspended for a period of one year and all rights and privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the issue of the said Order shall remain suspended for the said period ;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of 5th January, 1982 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 5th January, 1982.

[F. No. 4(11)/78-CUS]

C. K. MODI, Jt. Secy.